

**प्रेस विज्ञप्ति**

**सौर ऊर्जा संयंत्र से युक्त आईआईएमए ने कदम बढ़ाया हरित ऊर्जा की ओर**

A large building

Description automatically generated

(छवि अनुशीर्षक- सौर पैनल से बिछी एक छत)

**29 अक्टूबर, 2020 | अहमदाबाद**

एक स्थायी भविष्य की कुंजी हरित ऊर्जा और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों में निहित है, और भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद अपने प्रथम छत सौर ऊर्जा संयंत्र को सफलतापूर्वक चालू करके इस पहल में शामिल हो गया है।

पहले चरण में 365 केडब्ल्यूपी की कुल स्थापित क्षमता के साथ पाँच भवनों (छात्रावास, एमएसएच (विवाहित छात्रावास), आईएमडीसी स्कंधों, अकादमिक भवन-समूह और सबस्टेशन) के छतशीर्ष पर संस्थान के नवपरिसर में पूर्ण किया गया था।

14 जुलाई, 2020 को ट्रायल रन शुरू हुआ और संयंत्र अब पूरी तरह से चालू हो गया है। संयंत्र द्वारा सितंबर 2020 के अंत तक लगभग 80000 यूनिट बिजली पैदा की गई है और इस तरह लगभग 70 टन सीओ2 के उत्सर्जन को रोका है।

एक नियमित शैक्षणिक दिन के हिसाब से, हमें इस पहले चरण के साथ नवपरिसर की पारंपरिक खपत से 15% तक की बचत होने की संभावना है।

आईआईएमए अक्षय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है, और इस परियोजना के कार्यान्वयन को चरण वार किया जा रहा है। 365 केडब्ल्यूपी क्षमता के साथ प्रथम चरण पूरा होने पर, अगले कुछ महीनों में दूसरे चरण में लगभग 50 केडब्ल्यूपी जोड़ने की संभावना है। बाद के चरणों में हम अपनी आवश्यकता के 50% तक छतशीर्ष सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन को बढ़ाने का इरादा रखते हैं।

इस पहल के माध्यम से, उद्देश्य यही है कि जीवन शैली में सुधार और कार्बन के पदचिह्नों को कम करने के लिए टिकाऊ प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से समुदाय के सदस्यों और आगंतुकों के लिए परिसर में समृद्ध अनुभव कराना है।

- - -

**आईआईएमए के बारे में :**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एशिया प्रशांत क्षेत्र का एक प्रमुख बी-स्कूल है। विश्व स्तर पर, संस्थान के कार्यक्रमों ने उच्च प्रतिष्ठा अर्जित की है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इक्विस की मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बन गया है। 1961 में ज्ञान के अनुप्रयोग के माध्यम से विकास के लिए एक अद्वितीय सार्वजनिक-निजी साझेदारी के रूप में स्थापित संस्थान की, आज विदेशी धरती दुबई में उपस्थिति है और 80 से अधिक विदेशी बी-स्कूलों के साथ सहयोगी हैं, जो अकादमिक रूप से बेहतर, बाजार-संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों, अनुसंधान और परामर्श सेवाओं की पेशकश करते हैं। वर्ष 2018 में, आईआईएमए ने सभी भारतीय बी-स्कूलों से आगे फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) एशिया पैसिफिक शीर्ष 25 बिजनेस स्कूल रैंक में चौथे स्थान पर अपना स्थान बनाया। एफ़टी ने सभी बी-स्कूलों के कार्यक्रमों की गुणवत्ता और लाभ पर विचार करने के बाद रैंकिंग का संचालन किया। पिछले कई वर्षों में, आईआईएमए प्रतिष्ठित इकोनॉमिस्ट रैंकिंग में स्थान पाने वाला एकमात्र भारतीय बी-स्कूल है और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी भारत रैंकिंग 2020 एनआईआरएफ़ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) में प्रथम नंबर के स्थान पर उभरा है।

इन वर्षों में, आईआईएमए ने 38,000 से अधिक पूर्वछात्रों को लाभान्वित किया है जिन्होंने अपने विभिन्न कार्यक्रमों से स्नातक किया है। वर्तमान में, अपने प्रसिद्ध प्रमुख कार्यक्रम दो-वर्षीय व्यवसाय प्रबंधन में मास्टर (एमबीए), जिसे पहले स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) के रूप में जाना जाता था उसके अलावा; संस्थान ने अपने प्रबंधन में पीएचडी कार्यक्रम, खाद्य एवं कृषिव्यवसाय प्रबंधन में एमबीए (एफ़एबीएम), एमबीए-पीजीपीएक्स (कार्यकारी के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम), संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी), सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम (एएफ़पी), ई-स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी), उन्नत व्यवसाय विश्लेषिकी में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडी-एएबीए) में शीर्ष गुणवत्ता वाले छात्रों को आकर्षित करना जारी रखा है और अपने लघु अवधि के कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग के पेशेवरों को लाभ पहुंचाता रहा है।

**मीडिया प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें :**

मिताली नायडू

कार्यकारी, जनसंपर्क

फोन : (सेल) +91-7069074816, (कार्यालय) +91-79-71524684,

ईमेल : [pr@iima.ac.in](mailto:pr@iima.ac.in)